हम दें वधाई आये है

हम देने वधाई आये है मईया तेरी लाली जीवे,
हम लेने वधाई आये है बाबा तेरी लाली जीवे,
राधा जन्म उस्तव मनाने बरसाने हम आये है,
हम देने वधाई आये है मईया तेरी लाली जीवे,

रवल में प्रगति राधा,
कृष्ण की शक्ति राधा,
माये तेरी लाड्डो रानी,.
राधा गौ लोक की रानी,
शेष शिव नारद शारद,
ध्यान करते सनकादिक,
नेत नेत के वेद पुराणां श्री राधा गुण गये है,
हम देने वधाई आये है मईया तेरी लाली जीवे,

बड़ी गोरी मनमोहनी,
लाडो तेरी बड़ी ही सोहनी,
कुमत काली रस की खानी,
रूप श्रृंगार की रानी,
स्वर्ग का पलना झूले,
जैसे फूल वाणी फुले
भानुभवन की देख के शोभा सब के मन हर्षाये है,
हम देने वधाई आये है मईया तेरी लाली जीवे,

बरस से रंग रस कलियाँ,
महक ती नगर की कलियाँ,
बाजे ढफ ढोल शेहनाई,
बांसुरी तान इलहाइ,
बाज रहे बाजे गाजे,
ख़ुशी में हर कोई नाचे,
गूंज रहे जय कार भवन में आनंद के घन शाये है,
हम देने वधाई आये है मईया तेरी लाली जीवे,

आज ना लाज करुँगी,
वधाई मांग के लुंगी,
नाग नथनी कण वालि,
लुंगी लेहंगा और साडी,
हीरो का हार गले का,
पायल कंगन सोने की,
'मधुप' सखि लाली को हम आशीष देने आये है,
हम देने बधाई आये है मईया तेरी लाली जीवे,

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6973/title/hum-den-vadhai-aaye-hai-maiya-teri-lali-jewe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |